तैयारी | **प्राधिकरण ने डिक्सन टेक्नोलॉजी लिमिटेड को 22.49 एकड़ जमीन देने के लिए एलओआई जारी किया, इलेक्ट्रॉनिक क्लस्टर के तहत काम होगा**

यमुना सिटी में मोबाइल फोन के उपकरण बनाए जाएंगे

अच्छी खबर-1

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में मोबाइल फोन समेत बिजली के उपकरण बनाने वाली कंपनी लगेगी। प्राधिकरण ने डिक्सन टेक्नोलॉजी लिमिटेड को 22.49 एकड़ जमीन देने के लिए शुक्रवार को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) जारी कर दिया है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-10 में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी) पार्क विकसित किया जा रहा है। योजना के तहत शहर में चौथी कंपनी को जमीन देने के लिए सैद्धांतिक सहमति दी। कंपनी इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, टेलीफोन, लाइटिंग के पार्ट समेत अन्य बिजली के उपकरण भी तैयार करेगी। कंपनी शहर में साढ़े आठ हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे 50 हजार से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे पहले हैवल्स के अलावा दो कंपनियों को कंपनी शुरू करने के लिए एलओआई जारी किया जा चुका है। डिक्सन कंपनी के नोएडा में पहले से ही 12 और ग्रेनो में एक प्लांट हैं। ये कंपनियां जियोमी, मोटोरोला और नोकिया के लिए फोन, और अन्य उत्पाद तैयार करती हैं।

538 करोड़ रुपये की लागत आएगी

कुल क्षेत्रफल	206.40 एकड़
कुल लागत	538.38 करोड़
केंद्र से मिलने वाली धनराशि	144.48 करोड़
यीडा द्वारा निधि योगदान	393.90 करोड़
परियोजना प्रारंभ की तिथि	01 जुलाई 2025
परियोजना का समय	तीन वर्ष

"चार कंपनियों को भूमि आवंटन के लिए एलओआई जारी हो चुका है। शहर इलेक्ट्रॉनिक का सबसे बड़ा क्लस्टर बनेगा।
-अरुणवीर सिंह, सीईओ, यमुना प्राधिकरण

सेक्टर-62 से ममूरा तक बस और ऑटो के लिए लेन बनेगी

अच्छी खबर-2

नोएडा, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से लगे सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर से सेक्टर-60 ममूरा तक सड़क को चौड़ा करने का काम अगले महीने से शुरू हो जाएगा। योजना के तहत यहां पर सवारी बैठाने के लिए बस और ऑटो के लिए अलग लेन बनेगी। लोगों के बैठने के लिए 11 जगह बेंच लगाई जाएंगी।

नोएडा प्राधिकरण ने इस काम के लिए टेंडर प्रक्रिया में रिलायबल एसोसिएट्स एजेंसी का चयन किया है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर से ममूरा तक करीब 2.9 किलोमीटर लंबी सड़क है। यहां जाम में फंसना पड़ रहा है। प्राधिकरण ने मार्ग का निरीक्षण के बाद मॉडल मोबिलिटी कॉरीडोर बनाने की योजना तैयार की।